लोक सभा अध्यक्ष ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् में सुधार का आह्वान किया

जेनेवा, 02 जून, 2015: लोक सभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन जो अंतर-संसदीय संघ की संसदों के अध्यक्षों के चौथे विश्व सम्मेलन की तैयारी संबंधी पैनल की तीसरी बैठक में भाग लेने के लिए जेनेवा में हैं, ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् में सुधार का आह्वान किया । उपर्युक्त पैनल की सदस्य श्रीमती महाजन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् में सुधार का समर्थन करने वाली पहली अध्यक्ष थीं । इस बैठक में भाग लेने वाले अन्य अध्यक्षों और उनके प्रतिनिधियों - विशेष रूप से चीन, रूस, जर्मनी, केन्या और संयुक्त अरब अमीरात ने विश्व सम्मेलन की प्रारूप घोषणा में भारत द्वारा किए गए संशोधन का समर्थन किया ।

प्रस्तावित सतत् विकास लक्ष्यों में साझे किंतु भिन्न-भिन्न दायित्वों (सीबीडीआर) के सिद्धांत को शामिल किए जाने की स्थिति के बारे में श्रीमती महाजन ने संयुक्त राष्ट्र के महानिदेशक के साथ परस्पर संवाद सत्र के दौरान कहा कि सीबीडीआर सतत् विकास लक्ष्यों के कार्यान्वयन और विकास में मार्गदर्शी सिद्धांत होने चाहिएं । उन्होंने यह भी कहा कि केवल सकल घरेलू उत्पाद ही विकास के आकलन का पैमाना नहीं होना चाहिए । इसके साथ-साथ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, जन सामान्य का कल्याण और प्रकृति के अंधाधुंध दोहन पर प्रतिबंध जैसे अन्य पहलू भी ऐसे मानक हो सकते हैं जिनसे सकल घरेलू उत्पाद के साथ-साथ प्रगति का आकलन किया जा सकता है ताकि बेहतर और सुविचारित नीति संबंधी निर्णय लिए जा सकें ।

पीठासीन/उप पीठासीन अधिकारियों और संयुक्त राष्ट्र और अंतर-संसदीय संघ की कार्यकारी समिति के अन्य प्रतिभागियों ने निम्नलिखित प्रतिवेदनों का अनुमोदन किया जो अध्यक्षों के सम्मेलन के लिए पृष्ठाधार पत्र होंगेः

(क) अध्यक्षों के विगत सम्मेलनों की मुख्य सिफारिशों का कार्यान्वयन-अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में संसदीय आयाम

(ख) नए सतत् विकास लक्ष्यों को स्वरूप देने और उनके कार्यान्वयन में संसदीय सहभागिता

(ग) संसदों के समक्ष प्रस्तुत वर्तमान चुनौतियां

(घ) अंतर संसदीय संघ के कार्य में महिलाओं को मुख्य धारा में लाने संबंधी प्रतिवेदन ।

तत्पश्चात् प्रतिभागियों ने सम्मेलन की कार्यसूची और प्रारूप घोषणा पर विचार किया । श्रीमती महाजन ने सम्मेलन के प्रारूप निष्कर्ष दस्तावेज/घोषणा में संशोधनों का प्रस्ताव रखते हुए कहा कि सतत् विकास लक्ष्यों संबंधी प्रारूप घोषणा पर पहले ही विचार हो चुका है । 2015 के बाद सतत् विकास लक्ष्यों सहित विकास संबंधी कार्यसूची पर चर्चा अभी चल रही है इसलिए प्रारूप घोषणा में यह स्थिति उपयुक्त रूप से स्पष्ट किए जाने की आवश्यकता है ।

बैठक के दौरान पीठासीन अधिकारियों ने जेनेवा में संयुक्त राष्ट्र कार्यालय के महानिदेशक, मि. एम. मौलर से अध्यक्षों के सम्मेलन तथा सतत् विकास लक्ष्यों संबंधी संयुक्त राष्ट्र शिखर सम्मेलन के बीच आपसी संबंध पर बातचीत की ।

अंतर-संसदीय संघ जिसका मुख्यालय जेनेवा में है, संसदों का एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है, जो संसदों के अध्यक्षों के चौथे विश्व सम्मेलन का आयोजन करेगा । यह एक ऐसा विश्व शिखर सम्मेलन है जिसमें लोकतंत्र, विधायी संस्थाओं की भूमिका तथा संयुक्त राष्ट्र के साथ उनके संबंध पर चर्चा की जाएगी । यह सम्मेलन 31 अगस्त से 02 सितम्बर, 2015 तक न्यूयार्क में होगा । इस सम्मेलन के बाद संयुक्त राष्ट्र की महासभा के अधिवेशन होंगे।

सम्मेलन की तैयारियों को आगे बढ़ाने के लिए अंतर-संसदीय संघ ने तैयारी संबंधी समिति का गठन किया है जिसमें अंतर-संसदीय संघ के सदस्य देशों की राष्ट्रीय संसदों के सुविख्यात अध्यक्ष शामिल हैं । श्रीमती सुमित्रा महाजन तैयारी समिति की सदस्य हैं । तैयारी समिति की पहली बैठक जनवरी, 2014 में जेनेवा में हुई थी और इसकी दूसरी बैठक न्यूयार्क में नवम्बर, 2014 में हुई थी । अब तैयारी समिति की तीसरी बैठक 01-02 जून, 2015 को जेनेवा में आयोजित की जा रही है ।

अध्यक्षों का पहला विश्व सम्मेलन 2000 में हुआ था और यह संयुक्त राष्ट्र सहस्राब्दि शिखर सम्मेलन के साथ हुआ था । तब से यह सम्मेलन पांच वर्षों के अंतराल पर अर्थात् 2005 और 2010 में हो चुका है ।